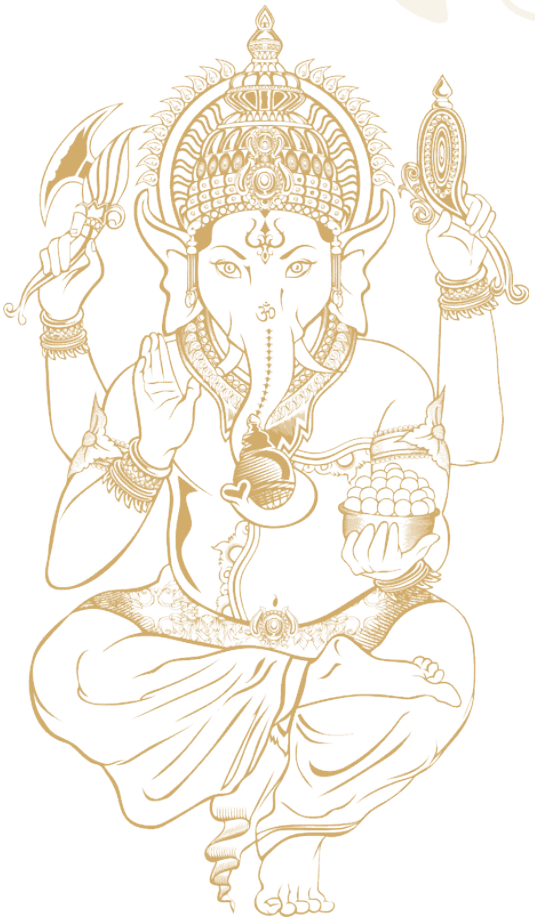

Subhash

27 Oct 1961

08:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1961**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:45:00 घंटे**
इष्ट	35:38:34 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	22:46:50 घंटे
सूर्योदय	06:29:34 घंटे
सूर्यास्त	17:40:19 घंटे
दिनमान	11:10:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:38:40 तुला
लग्न के अंश	02:25:27 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:25:27	337:54:08	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			तुला	10:38:40	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृष	28:13:31	12:58:39	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	तुला	24:26:17	00:42:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	00:36:09	00:46:15	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मक	05:49:30	00:06:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			कन्या	18:28:27	01:14:36	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मक	00:38:47	00:02:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	01:04:31	00:07:47	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:04:31	00:07:47	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	06:30:48	00:02:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	17:27:47	00:02:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	16:16:13	00:01:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:51:30	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:14

लग्न-चलित

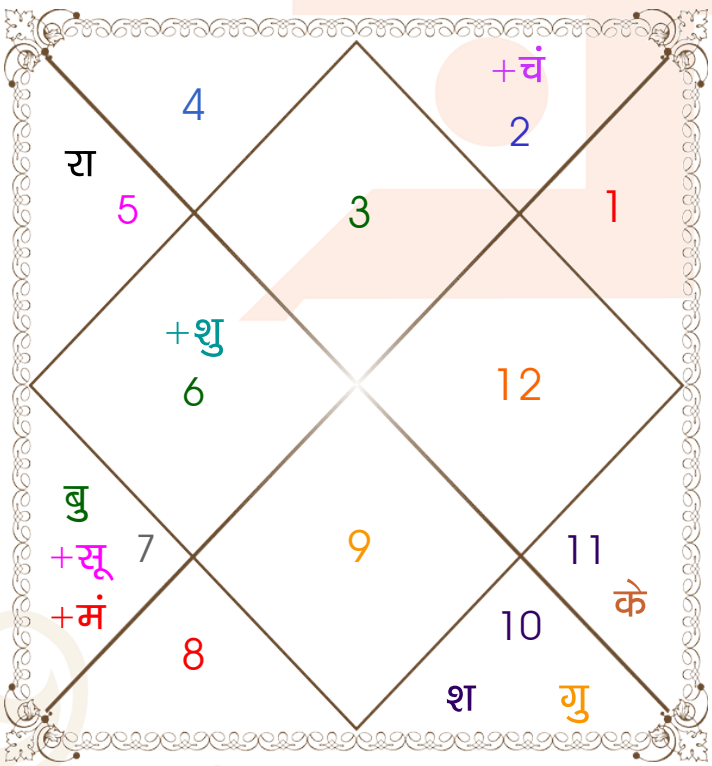

चन्द्र कुंडली

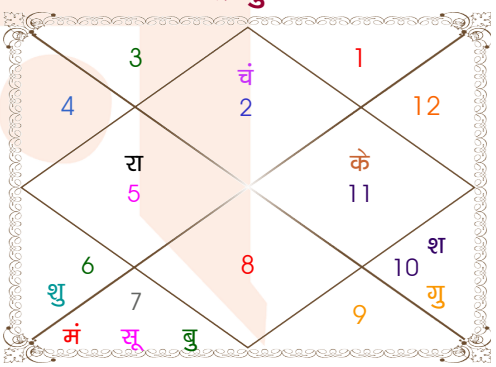

नवमांश कुंडली

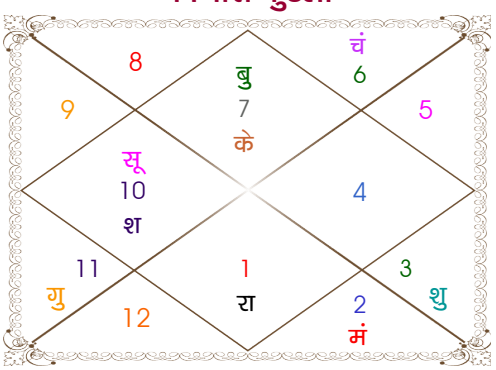

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 5 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/10/1961		03/04/1966		03/04/1984		03/04/2000		03/04/2019	
03/04/1966		03/04/1984		03/04/2000		03/04/2019		03/04/2036	
	00/00/0000	राहु	14/12/1968	गुरु	22/05/1986	शनि	06/04/2003	बुध	30/08/2021
	00/00/0000	गुरु	10/05/1971	शनि	02/12/1988	बुध	14/12/2005	केतु	27/08/2022
	27/10/1961	शनि	16/03/1974	बुध	10/03/1991	केतु	23/01/2007	शुक्र	27/06/2025
शनि	03/10/1962	बुध	02/10/1976	केतु	14/02/1992	शुक्र	25/03/2010	सूर्य	04/05/2026
बुध	30/09/1963	केतु	21/10/1977	शुक्र	15/10/1994	सूर्य	07/03/2011	चंद्र	03/10/2027
केतु	26/02/1964	शुक्र	20/10/1980	सूर्य	03/08/1995	चंद्र	05/10/2012	मंगल	29/09/2028
शुक्र	27/04/1965	सूर्य	14/09/1981	चंद्र	02/12/1996	मंगल	14/11/2013	राहु	19/04/2031
सूर्य	02/09/1965	चंद्र	16/03/1983	मंगल	08/11/1997	राहु	20/09/2016	गुरु	24/07/2033
चंद्र	03/04/1966	मंगल	03/04/1984	राहु	03/04/2000	गुरु	03/04/2019	शनि	03/04/2036

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/04/2036		03/04/2043		03/04/2063		03/04/2069		03/04/2079	
03/04/2043		03/04/2063		03/04/2069		03/04/2079		00/00/0000	
केतु	30/08/2036	शुक्र	03/08/2046	सूर्य	22/07/2063	चंद्र	01/02/2070	मंगल	30/08/2079
शुक्र	30/10/2037	सूर्य	03/08/2047	चंद्र	21/01/2064	मंगल	02/09/2070	राहु	17/09/2080
सूर्य	07/03/2038	चंद्र	03/04/2049	मंगल	27/05/2064	राहु	03/03/2072	गुरु	24/08/2081
चंद्र	06/10/2038	मंगल	03/06/2050	राहु	21/04/2065	गुरु	03/07/2073	शनि	27/10/2081
मंगल	04/03/2039	राहु	03/06/2053	गुरु	07/02/2066	शनि	01/02/2075		00/00/0000
राहु	21/03/2040	गुरु	02/02/2056	शनि	20/01/2067	बुध	03/07/2076		00/00/0000
गुरु	25/02/2041	शनि	03/04/2059	बुध	27/11/2067	केतु	01/02/2077		00/00/0000
शनि	06/04/2042	बुध	01/02/2062	केतु	03/04/2068	शुक्र	03/10/2078		00/00/0000
बुध	03/04/2043	केतु	03/04/2063	शुक्र	03/04/2069	सूर्य	03/04/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 5 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।